जै गोविन्दा गोपाला .....

जै गोविन्दा गोपाला, मनमोहन कृष्ण कन्हैया ।
मुरलीधर गोपाला, घनश्याम नंद के लाला ।।
जग–पालक तू रास रचैया, गोवर्धन गिरधारी,
कितने नाम तेरे नटवर तू सांवरिया कृष्ण मुरारी ।
मोर–मुकुट मन हर लेवत बलिहारी हर ब्रज वाला।।
मुरलीधर गोपाला...

तू ही सागर में रमता, तू ही धरती, पाताल,
जल में, नभ में और जगत में तेरी जय–जयकार ।
मेरे मन–मंदिर में स्वामी, तुझसे ही उजियारा।।
मुरलीधर गोपाला...

जिसका कोई न मीत जगत् में, उसका मीत कन्हैया,
बंशी–बजैया, रास–रचैया, काली–नाग नथैया ।
राजा हो या दीन भिखारी, सबका तू रखवाला।।
मुरलीधर गोपाला...

माया मरी न मन मरे, मर–मर गये शरीर ।
आशा तृष्णा ना मरे, कह गये दास कबीर ।।